

असाधारण EXTRAORDINARY

भाग 1—खण्ड १ PART 1—Section 1 प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 238] नई विल्लो, बुधवार, दि:उन्बर 2, 1992/अग्रहायण 1¹, 1914 No. 238] NEW DELHI, WEDNESDAY, DECEMBER 2, 19)2/AGAAH \YANA 11, 1914

इ.स. भाग में भिन्न पृष्ठ संस्था वो पाक्षी है जिससे पि यह अस्य संकारत के रूप में रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be field as a separate compilation

वागिष्य मंत्रालय

सार्वजनिक सुबना सं. 8^2 (पो एन)/92---97

मई (बल्ली, 2 बिसम्बर, 1992

फा. सं. ग्राई पी सी/3/8/85(भाग):--निर्वात-प्रावात नीति, 1992---97 के पैराग्राफ 16 के भन्तर्गत प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए महानिश्यक विशेश व्यापार एतब्द्वारा प्रक्रिया पुस्तक, 1992---97 के भ्रष्याय-5 में होडल, पर्यटन तथा परिश्रमण उद्योग के भारे में प्रक्रियाओं के उदारीकरण के भ्रमले उपाय के रूप में निम्नलिखित संशोधन करते हैं :--

1. पैराप्राफ 45 को निम्नलिखित द्वारा प्रति स्थापित किया आएगा:---

"परिश्रमण ग्रामिकर्ता, पर्यटन प्रचालक ग्रीर रेस्तराँ. —"पर्यटन महानिवेशक, भारत सरकार या राज्य सरकार द्वारा मान्यताप्राप्त परिश्रमण ग्रामिकर्ता पर्यटन प्रचालक ग्रीर रेस्तराँ पिछले लाइसेंसिंग वर्ष के चौरान भ्रयने द्वारा भीजत विशेशी सुद्रा के 2.5 प्रतिशत सूख्य तक के भ्रायात लाइसेंस के हकड़ार होंगे। ऐसे लाइसेंस स्वयं उनके व्यावसायिक इस्तेमाल के लिए श्रयेक्षित कार्यालय तथा श्रय उपस्कर सहित परिश्रमण तथा पर्यटन उद्योग से संबंधित भ्रत्यावस्यक माल के भ्रायात हेतु मंजुर किए जा सकते हैं।"

पराप्राक 48 को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा:-

"भ्रायात लाइसेंसों का भंतरण.—उपर्युक्त पैराभ्राफ 44 और 45 के श्रन्तर्गत मंजूर किए पए भ्रायात लाइसेंत होटल, पर्यटन या परिज्ञनण उद्योग में लगे हुए किसी यूनिट, प्रभाग या कम्पनी को मुक्त रूप से भ्रन्तरित किए जा सकते हैं।"

3. पैराप्राफ 49 को स्मिलिखित हारा प्रतिस्थापित किया जाएगा:---

"वास्तिविक प्रयोवता शर्त.—हालांकि उपर्युक्त पैराप्राफ 44 और 45 के ग्रन्सर्गत मंजूर किए गए भ्रायात लाइसेव होटल, पर्यटन या परिम्ननण उद्योग में मुक्त रूप से हस्तांतरणीय हैं, फिर भी स्वयं या ग्राधिगृहीत लाइसेंसों के मद्दे ग्रायातित माल वास्तिविक प्रयोक्ता शर्त के घर्ष्यधीन होंगें तथा उन्हें महानिवेशक, विदेश व्यायार की ग्रातुमित के बिना हस्तांतरित नहीं विया जाएगा।"

2. उक्त संशोधन लोकहित में किए गए हैं।

सी. के. मोदो, महानिदेशक, विदेश व्यापार

MINISTRY OF COMMERCE

PUBLIC NOTICE NO. 82(PN)/92—97

New Delhi, the 2nd December, 1992

- F. No. IPC|3|8|85(Pt.).—In exercise of the powers conferred under paragraph 16 of the Export and Import Policy, 1992—97, the Director General of Foreign Trade hereby makes the tollowing amendments in Chapter V of the Hand Book of Procedures, 1992—97 as a further measure of liberalisation of procedures in hotel, tourism and travel industry:—
 - . Paragraph 45 shall be substituted by the following:—

"Travel agents, tour operators and restaurants.—Travel agents, tour operators and restaurants, recognised by the Director General of Tourism, Government of India or a State Government, shall be entitled to import licences upto a value of 2.5 per cent of the foreign exchange earned by them during the preceding licensing year. Such licences may be granted for import of essential goods related to the travel and tourism industry, including office and other equipment required for their own professional use."

- 2. Paragraph 48 shall be substituted by the following:—
 - "Transfer of import licences.—The import licences granted under paragraphs 44 and 45 above are freely transferable to any unit, division or company engaged in hotel, tourism or travel industry."
- 3. Paragraph 49 shall be substituted by the following:—
 - "Actual user condition.—Although the import licences granted under paragarphs 44 and 45 above are freely ternsferable within the hotel, tourism or travel industry, the goods imported against own or acquired licences shall be subject to actual user condition and shall not be transferred without the permission of the Director General of Foreign Trade."
- 2. The above amendments have been made in public interest.
 - C. K. MODI, Director General of Foreign Trade